अथवा

(ब) धण्णस्स सत्थवाहस्स हत्थाओ ते पंच सालिअक्खए गेण्हइ, गेण्हित्ता सा एगंतमवक्कमइ, एगंतमवक्कमियाए मणोगए संकप्पे समुपज्जेत्था एवं खलु तायाणं कोट्ठागारंसि बहवे पल्ला सालीणं पडिपुण्णा चिट्ठंति तं जया मम ताओ इमे पंच सालिअक्खए जाएस्सइ तया अहं अन्ने पंच सालिअक्खए गहाय दाहामि ति। संपेहित्ता ते पंच सालिअक्खए एगंते एडेइ।

6. आचारांग के चयनित अंश के आधार पर बताइये कि मनुष्य की मूर्च्छा किस प्रकार टूटती है ?

7. मुक्तक काव्य के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

8. भगवती आराधना ग्रन्थ की संक्षिप्त विवेचना कीजिए।

9. आचार्य कुन्दकुन्द के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर टिप्पणी कीजिए।

DPL–02

December – Examination 2020

Diploma in Prakrit Language Examination

प्राकृत भाषा में डिप्लोमा

(प्राकृत गद्य एवं पद्य)

Paper : DPL-02

*Time : **2** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **10×2=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. (i) समणसुत्तं में कुल कितने प्रकरण हैं ?

(ii) आचारांग का महत्त्वपूर्ण उद्‌बोधन क्या है ?

(iii) महावीर की अन्तिम देशना का रूप किस ग्रन्थ को माना गया है ?

(iv) आपके पाठ्यक्रम में किस ग्रन्थ की गणना अर्धमागधी आगम साहित्य के मूल सूत्र के रूप में की जाती है ?

(v) लज्जावग्ग के प्रणेता कौन हैं ?

(vi) गउडवहो किस शताब्दी में लिखा गया ?

(vii) आराधना किसे कहते हैं ?

(viii) अष्टपाहुड के अनुसार आत्मा कितने प्रकार की होती है ?

(ix) सिप्पिसुत्तकहा के अनुसार शिल्पकार का नाम लिखिए।

(x) रोहिणीज्ञात कथा कहाँ से ली गई है ?

खण्ड—ब **4×20=80**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** गाथा का हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

(अ) देहादिसंगरहिओ माणकसाएहिं सयलपरिचत्तो।
अप्पा अप्पम्मि रओ स भावलिंगी हवे साहू॥

अथवा

(ब) आहारासणणिद्दाजयं च काऊण जिणवरमएण।
झायव्वो णियअप्पा णाऊणं गुरुपसाएण॥

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** गाथा का व्याकरणिक विश्लेषण कीजिए—

(अ) णवरं दोसा तेच्चेअ जे मअस्स वि जणस्स सुव्वंति।
णज्जंति जिअंतस्स वि जे णवर गुणा वि तेच्चेअ॥

अथवा

(ब) इय णाउं गुणदोसं दंसणरयणं धरेह भावेण।
सारं गुणरयाणाणं सोवाणं पढम मोक्खस्स॥

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** गाथा में से अव्यय तथा कृदन्त (नियमित एवं अनियमित) छाँटिए—

(अ) छिज्जउ सीसं अह होउ बंधणं चयउ सव्वहा लच्छी।
पडिवन्नपालणे सुपुरिसाण जं होइ तं होउ॥

अथवा

(ब) कामा दुरतिक्कमा। जीवियं दुप्पडिबूहगं। कामकामी खलु अयं पुरिसे, से सोयति जूरति तिप्पति ड्डतिपरितप्पति।

5. निम्नलिखित में से किसी **एक** गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

(अ) तेहिं जामायरेहिं पायत्तिगं वाइअं पि खज्जरसलुद्धत्तणेण तओ गंतुं नेच्छंति। ससुरो वि चिंतेइ—'कहं एए नीसारिअव्वा ? साउभोयणरया एए खरसमाणा माणहीणा संति, तेण जुत्तीए निक्कासणिज्जा।' पुरोहिओ नियं भज्जं पुच्छइ—एएसिं जामाऊणं भोयणाय किं देसि ?' सा कहेइ—